

समर्पण-मूल्य पुं. (तत्.) वह राशि जो बीमा कराने वाले को अवधि पूरी होने से पहले ही अपना बीमा रद्द कराने या बीमा पत्र लौटा देने पर मिलती है।

समर्पित वि. (तत्.) समर्पण किया हुआ, अर्पित।

समर्प्य वि. (तत्.) 1. समर्पण किए जाने योग्य 2. जिसका समर्पण किया जाने वाला हो।

समर्याद वि. (तत्.) 1. मर्यादा युक्त 2. अच्छे आचरण वाला 3. सामाजिक मर्यादाओं का पालन करने वाला 4. शिष्ट 5. विनम्र अव्य. निकट, पास, समीप।

समलंब पुं. (तत्.) गणि. दो समांतर भुजाओं वाला चतुर्भुज।

समल पुं. (तत्.) मल, विष्ठा, गू।

स-मल वि. (तत्.) 1. मल से युक्त 2. मलिन, मैला।

समलिंगी रति स्त्री. (तत्.) दो पुरुषों या दो स्त्रियों की परस्पर रति, समलैंगिकता।

समली स्त्री. (तत्.) चील।

समलेख पुं. (तत्.) समान वर्तनी वाले परंतु भिन्न उच्चारण वाले शब्द।

समलैंगिक पुं. (तत्.) समान लिंग वाले व्यक्ति के साथ रति करने वाला।

समलैंगिकता स्त्री. (तत्.) दे. समलिंगी रति।

समवकार पुं. (तत्.) रूपक का एक भेद जिसमें देवासुर के संग्राम या संघर्ष से संबंध रखने वाले वीरतापूर्ण कार्यों का उल्लेख होता है, इसमें तीन अंक होते हैं।

समवतार पुं. (तत्.) 1. उतरने की जगह 2. उतरे की क्रिया, अवतरण।

समवबोधन पुं. (तत्.) 1. स्पष्ट ज्ञान और उसकी प्रक्रिया 2. किसी वस्तु को देखने पर उसका अपने विद्यमान ज्ञान से मेल बैठाना।

समवयस्क वि. (तत्.) समान वय, आयु या अवस्था वाला।

समवरोध पुं. (तत्.) चारों ओर से अच्छी तरह रोकना, नाकाबंदी।

समवर्गी वि. (तत्.) जो एक ही वर्ग के हों।

समवर्तन पुं. (तत्.) 1. आवश्यकता की दृष्टि से यथोचित विभाजन 2. ठीक व्यवहार 3. समान व्यवहार।

समवर्ती वि. (तत्.) 1. जो समान रूप से स्थिर रहता हो 2. जो समीप ही स्थित हो, पास ही में रहने वाला 3. समान दूरी पर स्थित 4. एक-सा व्यवहार करने वाला, पक्षपातहीन व्यवहार करने वाला 5. सदा एक-सी मानसिक स्थिति वाला, समुचित पुं. यमराज का एक नाम।

समवर्ती सूची स्त्री. (तत्.) संविधान में वर्णित उन मदों की सूची जिन पर केंद्र और राज्य दोनों कानून आदेश लागू कर सकते हैं।

समवलंब पुं. (तत्.) ऐसा चतुर्भुज जिसकी दोनों लंबी रेखाएँ समान हों।

समवसरण पुं. (तत्.) वह स्थान जहाँ किसी प्रकार का धार्मिक उपदेश होता हो।

समवस्थित वि. (तत्.) 1. जो अचल रहा हो 2. दृढ़ 3. अद्यत, तैयार।

समवाक् पुं. (तत्.) दे. समध्वनिक।

समवाय पुं. (तत्.) 1. समुदाय, समूह, झुंड 2. ढेर, राशि 3. घनिष्ठ एवं नित्य संबंध 4. मेल, संयोग 5. कुछ विशिष्ट नियमों के अनुसार बनी हुई वह व्यापारिक संस्था जिसके हिस्सेदारों को अपनी लगाई पूँजी के अनुपात से लाभ का अंश मिलता है।

समवायिक वि. (तत्.) समवाय संबंधी, समवाय का।

समवायी वि. (तत्.) 1. घनिष्ठ या अटूट रूप से संबद्ध 2. नित्य संबद्ध।

समविभाजन पुं. (तत्.) किसी वस्तु को बराबर भागों में बाँटना।

समवृत्त पुं. (तत्.) सममात्रिक या समवर्णिक छंद, वह छंद जिसके चारों चरण समान लक्षण वाले हों।

समवृत्ति स्त्री. (तत्.) 1. समान वृत्ति 2. सुख-दुख, लाभ-हानि आदि में मन की स्थिरता, समदृष्टि वि. स्थिरचित्त, प्रशांत।